

प्रवेशिका पुर्ण - त्रिवृतीय वर्ष कथ्यक नृत्य (3rd year)

शास्त्र

1. कथ्यक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास (10 से 15 वाक्यों में)
 2. परिभाषाएँ :-
आमद, तोड़ा, दुकड़ा, तत्कार, परन, चक्करदार, कवित, तिहाई, अंग, प्रत्यंग, उंग, गतभव, हस्त मुद्रा
 3. लोकनृत्य की परिभाषा तथा पाँच प्रादेशिक लोक नृत्यों के नाम जानना
 4. सात शास्त्रीय नृत्यशैलियों के नाम, उनके प्रांत सहित
 5. अभिनव दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रयोग
 6. अभिनव दर्पण के अनुसार 4 प्रकार के ग्रीष्म सेष, पं पलुसकर और पं भातखडे ताललिपि की संक्षिप्त जानकारी
 7. किसी प्रसिद्ध कथ्यक कलाकार की जीवनी
 8. वर्तमान पाँच तबला व वाङ्को के नाम, जो कथ्यक नृत्य की संगत करते हैं
 9. असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रयोग :
 1) कपित्य 2) कटकामुख 3) सूची 4) चंद्रकला 5) पदमकोश
 6) सर्पशीर्ष 7) मृगशीर्ष 8) सिंहमुख 9) कांघुल्य 10) अलपदम
 11) चतुर 12) भ्रमर 13) हंससास्य 14) हमर हंसपद्म 15) संदेश
 16) मुकुल 17) ताम्रचूड 18) त्रिशूल
 10. लिपिबद्ध
- तीनताल में
1. तिहाई, एक साधारण आमद (ता थई तत थई), एक परनजुड़ी आमद, 1 तोड़ा, 1 परन, 1 कवित
- छपताल में
ठेके की ठाह (बराबर), दुगुन, चौमुन एक तिहाई, एक तोड़ा, एक सादा आमद, एक परन
- दादरा तभा कहरवा ताल के ठेके का ताल चिन्ह सहित लिखना

क्रियात्मक

1. ठाट, । परणजुड़ी आमदू, । रंगमंच प्रणाम, । बाढ़े तोड़े (हर एक तीन आवश्यकतान का), । परन, । वक्करदार तोड़े परण, । कवित, । वक्करदार तिहाई
2. त्रिताल में आधी, बराबर, दुगुन, चौगुन, अठगुन तिहाई सहित
3. त्रिताल में बाँट तिहाई सहित
4. गतभव

राधा का पानी भरने जाना, कृष्ण का कंकर से मट्की फोड़ना, राधा का छठना, कृष्ण उस का हाँसना आदि

→ गतभव में दिखाई गई मुद्राओं के नाम
5. झपताल
 1. ठाट, । आमदू, । तिहाई, 2 तोड़े, । वक्करदार तोड़ा, । परन
 6. तत्कार बराबर, दुगुन तिहाई सहित
 7. सभि बोलो को हाथ से ताली टेकर पढ़ना आवश्यक
 8. गत निकास - मोरमुकुट, बाँसुरी, घुँगट

Remainingवक्करदार तिहाईगतभवझपताल : तिहाईपरनगत निकास

शस्त्रा

- 1) कथ्यक वृत्य का संक्षिप्त इतिहास
- कथ्यक वृत्य का इतिहास बहुत प्रचीन है। मोहनजोदारों और हड्ड्या की खुदाई में प्राप्त वृत्य कश्ती हुई मूर्तियाँ इसकी प्राचीनता सिद्ध करती हैं।
 - वेद, पुराण, महाभाष्य आदि ग्रन्थों में वृत्य का उल्लेख मिलता है।
 - कथ्यक वृत्य जिसे नट्वारी वृत्य भी कहते हैं, उत्तर भारत का एक प्रचलित शास्त्रीय वृत्य है।
 - कथ्यक वृत्य कोई नवीन शब्द नहीं है। ब्राह्मामहापुराण, महाभारत, नाट्यशास्त्र में कथ्यक शब्द का उल्लेख मिलता है।
 - मोहनजोदारों और हड्ड्या की मूर्तियों से कथ्यक वृत्य का भी आभास मिलता है।
 - मुसलमानी राज्य स्थापित होने के बाद से वृत्य भगवान के मंदिरों से राज्यदरबारों में पहुँचा और उनमें भक्तिभाव के साथ चूंगारिका आगई।
 - वृत्य का उद्देश ईश्वर की उपासना न रहकर राजाओं के मनोरंजन की वस्तु बन गई।
 - मुगलकाल में राजाओं के बदलने से कभी वृत्य को प्रोत्साहन मिला।
 - स्वः ठाकुर प्रसाद ने इस वृत्य को कथ्यक वृत्य बताया।

2) परिभाषाएँ :

- आमद -
- आमद शब्द का अर्थ होता है - आगा अर्थात् सभा में प्रवेश करना।
- टुकड़ा -
- 4 या 6 मात्रा का कोई भी बोल लेकर जब हम सम पर आते हैं तो वो टुकड़ा नज़ारा होता है।
- तोड़ा -
- तबला, पखवाज तथा वृत्य के बोलों का छोटा सा समूह जो सम पर समाप्त हो, उसे तोड़ा या टुकड़ा कहते हैं।

→ परन -

तबले, पखावाज तथा वृत्य के बोलो का ऐसा समूह जो तोड़े से बड़ा हो अर्थात् एक दो से अधिक आवर्तन का हो और अंत में तिहाई के साथ लेकर सम पर खत्म हो, उसे परन कहते हैं।

→ चक्करदार परन -

जो परन पूरी तीन बार होकर सम पर आए, उसे चक्करदार परन कहते हैं।

→ तिहाई -

बोलो का ऐसा समूह जो तीन बार होकर सम पर आए, उसे तिहाई या तिम्हा तीया कहते हैं।

→ कवित -

जिस तोड़े में कविता के बोलो का समावेश हो, उसे कवित तोड़ा कहते हैं।

→ अंग, प्रत्यंग, उपांग

शशीर के बड़े अवयवों को अंग कहते हैं। अंग 6 हैं - मिर, हाथ, हाती, पक्ष पाश्व, कमर, पैर।

अंग के हिलाने पर जो अपने आप चलते हैं उन्हें प्रत्यंग कहते हैं जैसे कंधा, पीठ, पेट आदि।

शशीर के छोटे अवयवों को अच उपांग कहते हैं। जैसे ऊँछों की पुतलीयाँ उँगलियाँ आदि।

→ गतभाव -

इसमें नर्तक अकेले ही किसी कथानक के भाव को अंग संचलन द्वारा प्रकट करता है। नर्तक सभी पात्रों का अभिनय अकेले ही एक दूसरे के बाद करता है।

→ चक्करदार -
जब कोई बोल परन भा दुकड़ा। भा गत तीन बार प्रयोग करने पर सम पर आती है तो इसे चक्करदार कहा जाता है। चक्करदार के दो मध्य प्रमुख भेद हैं — दमदार भा बेदम चक्करदार।

→ हस्तमुद्रा -
हस्तमुद्रा दो प्रकार की होती है, एक असंयुक्त तथा दूसरा संयुक्त मुद्राएँ। असंयुक्त मुद्रा वह है जिसमें एक हाथ का प्रयोग होता है, तथा संयुक्त में दोनों हाथों का प्रयोग होता है।

- लोक नृत्य की परिभाषा और पाँच त्रादेशिक लोक नृत्य
- लोक नृत्य किसी भी राष्ट्र के जागृति का प्रतिक होता है।
- किसी भावभित्ति को उसकी प्राकृतिक अवस्था में प्रस्तुत कर देना ही लोक नृत्य कहलाता है।
- ये लोक नृत्य किसी नियम से नहीं बंधे होते, अपितु इनका परंपरा वी इनका आधार है।
- इसके माध्यम से उस प्रदेश भा जनता जनजाति की कला, परंपरा, संस्कृति, सरलता, सामाजिक स्तर, श्रीति-शिवाजी, धर्म आदि स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ते हैं।
- हर देश के, हर जाति के अलग अलग लोक नृत्य होते हैं। प्रदेशों के लोक नृत्यों के नाम हैं:-

- + गरबा - गुजरात
- + घूमर - राजस्थान
- + भाँगड़ा - पंजाब
- + बिङ्गु - आसाम
- + लावणी, तमाशा - महाराष्ट्र

4) Written by you

अभिनय दर्पण के अनुसार ५ प्रकार के श्रीवा भेद
श्रीव भानी गर्दन हमारे समस्थ क्रिया - कलापो व अंग संचलन का मूल है।
बिना गर्दन धूमाए न तो हम उपर देख सकते हैं, और ना बगल में। अभिनय
दर्पण में आचार्य नन्दिकेश्वर ने श्रीवा संचलन के चार प्रकार बतलाए हैं।

→ सुन्दरी श्रीवा (Side to Side)

गर्दन को सुगमतापूर्वक समान रूप से इधर उधर चलाने को सुन्दरी भेद
कहते हैं।

→ तिश्वीना श्रीवा (Snake Walk)

दोनों पार्श्व में व ऊपर की ओर अर्प की तरह चलती हुई गर्दन को
तिश्वीना श्री श्रीवा कहते हैं।

→ परिवर्तिता (Mony Moon)

अर्ध चंद्राकार रूप से दाहिने-बाँह चलती हुई गर्दन को परिवर्तिता श्रीवा
कहते हैं।

→ प्रकम्पिता (Pigeon Walk)

कबूतर के कंठ के की तरह कापते हुए आगे पीछे चलती हुई गर्दन को
प्रकम्पिता श्रीवा कहते हैं।

6) पं. पलुस्का/२ और पं. भातखण्डे ताल लिपि की संक्षिप्त जानकारी
प्राचीन काल में बोलों को ताल लिपि में लिखे जाने की अनेक प्राणालियाँ
प्रचलित थीं, जिन में से कई अब तक परम्परागत कलाकारों में प्रचलित हैं;
किन्तु आजकल सर्वजन प्रचलित हो ही प्राणालियाँ हैं, जिन्हे प्रचारित करने
का नेय भी हो आधुनिक विद्वान विद्वान पं विष्णु दिगम्बर पलुस्कर व
पं विष्णु नारायण भातखण्डे को जाता है, अतः इन्ही के नाम पर इन प्राणालियों
को क्रमशः (i) पलुस्कर (ii) भातखण्डे पद्धति कहा जाती है।

→ पलुस्कर पद्धति

चिन्ह	मात्रा संख्या	प्रयोग
।	1 (एक)	धा या धा
२	२ (दो)	धा या धात
०	१/२ (आधी)	था गे या धा गे

चिन्ह	मात्रा संख्या	प्रयोग
~	।।५ (चौथाई)	ति॒र कि॒ट्
==	।।८ (आठवां भाग)	धि॒र धि॒र कि॒ट् टुक्
~~	।।३ (तीसरा भाग)	था॒ कि॒ट्
====	।।० (छठां भाग)	दु॒ल्लु॒टु॒कु॒तु॒ल्

→ भातखण्डे पद्धति

- इस प्रणाली में मात्राओं का संकेत देने के लिए । २ ३ ५ इस प्रकार के अंक वर्णों के उपर लिख दिए जाते हैं।
- सम के लिए (x) का चिन्ह प्रयोग करते हैं।
- खाली के लिए (o) शुन्य को वर्ण के नीचे अंकित किया जाता है।
- (८) अर्धचन्द्र के अंदर जीतने भी वर्ण लिखे जाति हैं, उन्हें एक ही मात्रा के उच्चारण काल में प्रयोग किया जाता है।
- (-) आड़ी पाई या (s) अवग्रह का प्रयोग तब किया जाते हैं जब किसी वर्ण को या मात्रा को बढ़ाया जाता है या उसके किसी अंगको निष्क्रिय व्यतीत करा जाए।
- (८) इस चिन्ह का मान नियम नहीं है ।, ।।२, ।।५, ।।३, ।।८ आदि व्यब संख्या विभागों को प्रदर्शित करने के लिए इसका आवश्यकता के अनुसार यथेच्छा में प्रयोग किया जाता है।
- विभागनार के समय इस पद्धति में खड़ी पाई का उपयोग होता है।
- सम के उपशाल की तालियों की संख्या उनके नियम वर्ण के नीचे लिखी जाती है।

बोलों को ताली लिपि में लिखने के लिए इन प्रणालियों का विद्यार्थियों को बाशीकी के साथ अध्ययन करना चाहिए ताकि वे विभिन्न व्रन्न व्रन्मों में लिखे गए बोलों को उनके वास्तविक रूप में समझ सकेंगे तभी अपने व्यक्ति हुए बोलों को उचित रूप में लिख कर उनका अनुयास कर सकेंगे।

- किसी प्रसिद्ध कथकल कलाकार की जीवनी
- भारतीय नृत्य शैलियों में से लोगों को परिचित करने वाले विश्व विख्यात नर्तक उद्यशंकर चौधरी का जन्म दिसम्बर ४, १९०० में उदयपुर में डॉ. शमामशंकर चौधरी के घर हुआ था।
- बाल्यकाल से ही उद्यशंकर का चित्रकला व संगीत के पति बन्धि थी।
- इन्होंने वास्त्रीय नृत्यों को आकर्षित करके संभाजित करके नृत्य नाटिकाओं के रूप में प्रदर्शित करके नृत्य करना शुरू किया, जो लोगों को आकर्षित करने में सफल रहे।
- नृत्य की इस पहचान को विदेशों में 'ओरिएन्टल डांस' के नाम से पुकारा जाता है।
- नृत्य के क्षेत्र में इन्होंने नई नई सम्भावनाएँ खोजी, नए प्रयोग किए।
- लोक संगीत और वास्त्रीय संगीत को आंगिकार किया फिर उसके अनुकूल पश्चात् साज सज्जा प्रकाश व्यवस्था कर, उद्यशंकर, भारत नृत्य जगत में नृत्य कला को सनीच प्रदान करने वाले आदि पुरुष के रूप में सौंदर्य पूजे जाते हैं।
- उद्यशंकर को काष्ठि भ संगीत नाटक अकादमी की (Fellowship) केलोशिप, विश्वभारती विद्यालय की उपाधि भी उपलब्ध हुई है।
- २६ डिसम्बर १९८८ को उनका निधन हो गया था।

४) वर्तमान उत्तरला बॉय वादकों के नाम, जो कथक नृत्य की संगत करते हैं:-

१. उस्ताद जाखिर हुसेन
२. समंता प्रसाद
३. कृष्ण मिश्रा
४. तेज प्रसाद
५. राज कुमार झाबड़ा

१. उ. शाकिर इमेन
२. पं. कुमार बोस
३. पं. अनिंदो चाट चटजी
४. पं. भुरेशा ताळवर्डी
५. पं. नरेन घोष

9>

(क) लिपिबद्ध

तीनताल में । तिहाई । साधारण आमद (ता थैर्स तत थैर्स) । एक परनजुड़ी आमद । तोड़ा । पश्च । कवित ।

'तीनताल'

→ । तोड़ा (4,4,6,6)
 तत थैर्स तत थैर्स | आ₂ थैर्स तत थैर्स | तिग्धा 5
 X

दिगदिग थैर्स नाम थैर्स तिग्धा दिग दिग । थैर्स नाम

थैर्स तिग्धा दिग दिग थैर्स नाम । धा_x

→ । पश्च (2,2,3,3)
 धागेतिट नागेतिट | क्रुधातिट धागेतिट | क्रुधातिट } 3 बार
 X धा क्रुधा | तिट धा क्रिधातिट | धा_x

→ । कवित (बराबर)
 चन्द्र तपन कर । आरती शिव की । स्त्रि स्त्रि कत हुल हुल ।
 X 2

गंग छूल कत । नाचत शंकर । धड़ंग तिरकिट धा ।

तिरकिट थुंन धुंन तिरकिट । भुंन थुंन तिरकिट थुंन भुंन । धा_x

\rightarrow । आमद (3, 4, 5)

~~धातिट धातिट धाति | टु धातिट धन्ता | तु थैई थैई तत~~

आ थई थई तत ता थई थई तत आ थई थई तत | तु ३ थई थई

तत आ थैई थैई तत - थैई ता | त्रु थैई थैई तत आ थैई थैई तत -
ता थैई थैई तत आ थैई थैई तत | ता-१ ता थैई थैई तत आ थैई थैई तत |

ता॑ थै॒ थै॒ थै॒ तत् आ॑ थै॒ थै॒ थै॒ तत् - ता॑ - २ | ता॑३ थै॒ थै॒ थै॒ तत् - आ॑ थै॒ थै॒

तत ता थैर्द थैर्द तत आ थैर्द थैर्द तत। धा

। तिहाई

$$x^{12345,12} \mid x^{34,12312} \mid x^0 \mid x^{1,1,12} \mid x^{345,1234}$$

$$+ \begin{matrix} 3 & 1 & 2 & 3 & , & 1 & 2 & , & 1 \\ \times & & & & | & 1 & 2 & 1 & , & 1 & 2 & 3 & 4 \\ & & & & & 1 & 2 & 0 & | & 5 & 0 & , & 1 & 2 & 3 & 4 & , & 1 & 2 \end{matrix}$$

$$\begin{array}{r|l} 3 & 12, 1 \end{array}$$

→ । सादा आमदू (विलंबित)

तिंधा दिग दिग श्रृंई , तिंधा | दिग दिग श्रृंई तिंधा

दिग दिग | १२३४ | ५६७८ तथा

'झपताल'

→ झपताल ठेके की गाह

- बराबर (2, 3, 2, 3)

धी_x ना | धी₂ धी ना | ती_० ना | धी_३ धी ना

- दुश्मन (4, 6, 4, 6)

धी ना धी धी | ना₂ ती ना धी धी ना | धी ना धी धी |
x

ना₃ ती ना धी धी ना

- चोगुन (8, 12, 8, 12, धी)

धी ना धी धी | ना₂ ती ना धी | धी₂ ना धी ना | धी₄ धी ना ती
x
ना धी धी ना | धी₀ ना धी धी | ना₇ ना धी | धी₃ ना धी ना
धी धी ना ती | ना₁₀ धी धी ना | धी
x

→ 1. तिहाई (4, 5, 3, 6) 4, 5, 3 6 | 4, 5, 3, 6)

ता थैई थैई तत | आ₂ थैई थैई तत | ता₀ थैई |
x
थैई तत आ₃ थैई थैई तत | ता₁₁ थैई थैई तत |
3
आ₁₃ थैई थैई तत | ता₁₆ ता थैई | थैई तत आ₁₉ थैई थैई तत |
2
ता थैई थैई तत | आ₂ थैई थैई तत | ता₀ थैई |
x
थैई तत आ₃ थैई थैई तत | धा

- 1 तोड़ा (2, 3, 4, 4, 4, 4, 25, ता)
 ता थैर्ड | तुत थैर्ड तत | ता थैर्ड ता थैर्ड | तत थैर्ड ता तत |
 ता थैर्ड ता थैर्ड | तत थैर्ड ता तत | ता धी | तत थैर्ड ता तत | ता
- 1 सादा आमदू (2, 6, 4, 6)
 तत तत | ता थैर्ड थैर्ड तत आ थैर्ड | थैर्ड तत तत तत |
 थैर्ड तत तत थैर्ड तत तत | धी
- 1 परन (2, 3, 6, 2, 3, 2, 3, 2, 3, 2, 3, 6, 2, 3)
 त्रांग कृत | थैर्ड कृत धातिट | धातिट थुन थुन थुन तिर किट |
 तिग्धा दिग दिग | थैर्ड ५ ४ त्रांग | कृत थैर्ड | कृत धातिट धातिट |
 थुन थुन | तिर किट तिग्धा | दिगदिग थैर्ड | ६ ५ त्रांग कृत |
 थैर्ड कृतकृत धातिट धातिट थुन | थुन तिर | किट तिग्धा दिगदिग | ता

क्रिमात्मक

तीनताल (१० मात्रा)

→ १ सादा आमदृ

धातिट धातिट धातिट धातिट - धा - ता
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - थैर्ड ता } 3 times
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - ।
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - २
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - धा

→ १ पश्चजुड़ी आमदृ

धा त क - धुंगा, धा गे धि ने धा
 धा धित ता , धिला , किठ्या , तकका धुंगा
 तिट्कत - धा, तिट्कत गदिगन
 ता थैर्ड - तत तत थैर्ड , आ थैर्ड - तत तत थैर्ड
 थैर्डक थैर्डक - थैर्ड , थैर्ड थैर्ड तत तत तत
 तत तत थैर्ड , तत तत थैर्ड , तत तत - ।
 तत तत थैर्ड , तत तत थैर्ड , तत तत - २
 तत तत थैर्ड , तत तत थैर्ड , तत तत - धा

→ २ गठ

पहली मात्रा से

ता थैर्ड तत - आ थैर्ड तत
 ता थैर्ड तत - आ थैर्ड तत
 ता थैर्ड थैर्ड तत - ता , आ थैर्ड थैर्ड तत - ता
 (ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत)² - धा

• १३ मात्रा से

तां थैर्ड थैर्ड तत - आं थैर्ड थैर्ड तत

तत तत थैर्ड

तत तत थैर्ड

तत तत थैर्ड - थैर्ड - थैर्ड

तत तत थैर्ड, तत तत थैर्ड, तत तत थैर्ड - थैर्ड - थैर्ड - तां

• १३ मात्रा से

तां थैर्ड थैर्ड तत, आं थैर्ड थैर्ड तत, तां थैर्ड थैर्ड तत

तत तत थैर्ड

तत तत थैर्ड

तत - तिथा

→ १. नमस्कार तोड़ा

तत तत तत तत - ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत

तत तत तत तत - ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत

ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - ।

ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - २

ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - तिथा

→ ५ तोड़े (कम से कम ३ आवृत्ति)

• तिथा तिथा थैर्ड - तिथा तिथा थैर्ड.

ता थैर्ड - तत तत थैर्ड, आ थैर्ड - तत तत थैर्ड

तत थैर्ड तत थैर्ड, तत च तत थैर्ड, तत तत थैर्ड

तत तत थैर्ड, तत तत थैर्ड, तत तत थैर्ड

तत तत थैर्ड, तत तत थैर्ड, तत तत -

(12345, 12345, 1234) ५ के चक्कर

(123, 123, 12) ३ के चक्कर

(1-2-3-4-5-6-7-8-9) १ के चक्कर

- तत तत अर्धुन - ता , ता थैर्ड थैर्ड तत - ता
 ता थैर्ड थैर्ड तत - १ , आ थैर्ड थैर्ड तत - २
 ता थैर्ड थैर्ड तत
 तत तत अर्धुन - ता . ता थैर्ड थैर्ड तत - ता
 ता थैर्ड थैर्ड तत - १ , आ थैर्ड थैर्ड तत - २
 ता थैर्ड थैर्ड तत
 तत तत अर्धुन ता , ता थैर्ड थैर्ड तत - ता
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - तक्षा
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - तक्षा
 ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत
 ता - थैर्ड तत . आ थैर्ड तत
 off beat off beat
- ता थैर्ड थैर्ड तत - १ , ता थैर्ड थैर्ड तत - २ , ता थैर्ड थैर्ड तत - धा X

- तिक्ष्णा तिक्ष्णा - थैर्ड थैर्ड
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड
 तत तत थैर्ड^{ss}
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड - तत तत थैर्ड^{ss}
 त्राम थैर्ड तत थैर्ड
 त्राम थैर्ड तत थैर्ड
 त्राम थैर्ड तत तत
 तिक्ष्णा तिक्ष्णा - थैर्ड थैर्ड
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड - तत तत थैर्ड^{ss}
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड - तत तत थैर्ड^{ss}
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड
 त्राम थैर्ड - तत थैर्ड
 त्राम थैर्ड - तत तत - तक्षा
X

- तत तत - थुंन थुंन - धी ना, तु ना
कड़तक गदिगिन, कड़तक गदिगिन
धांन-धांन - ता - धा - 1
कड़तक गदिगिन, कड़तक गदिगिन धांन-धांन - ता धा
धांन - धांन - ता धा
कड़तक गदिगिन, धांन - धांन - ता धा
धांन - धांन - ता धा
- कड़तक - 1
- कड़तक - 2
- कड़तक - 123
- कड़तक - धा-धा- धा

→ 2 पर्श (दोनो समीकरणों से Same tempo)

- धांन घिकिटधा - तांन घिकिटि घिकिटधा
धांन घिकिटधा - तांन घिकिटधा
धांन घिकिटधा - धा, तांन घिकिटधा - धा
धांन घिकिटधा

दिगदिग थैर्ड, दिगदिग थैर्ड, दिग दिग

1- 2- 3- 4- 5

दिगदिग थैर्ड, दिगदिग थैर्ड, दिग दिग

1- 2- 3- 4- 5

दिगदिग थैर्ड, दिगदिग थैर्ड, दिग दिग

1- 2- 3- 4- 5

- झिमि झिमि तरंग, ता थो तरंग ता (धृत लेय)
झिमि झिमि तरंग, ता थो तरंग - सात
ता थो तरंग

त्रक थुंन थुंन, त्रक थुंन थुंन - थैर्ड - ता थैर्ड X 3

त्रक थुंन थुंन, त्रक थुंन थुंन - थैर्ड - ता थैर्ड X 3

त्रक थुंन थुंन, त्रक थुंन थुंन - थैर्ड - ता थैर्ड X 3

→ 2 तिहाईयाँ

- 123 - 123 } 3 times
12345678 - 1-2-3 }

ता थैर्ड तत - आ थैर्ड तत

ता थैर्ड थैर्ड तत - आ थैर्ड थैर्ड तत - थैर्ड - ता - थैर्ड } 3 times

- 1234 - 1 } 3 times
1234 - 1
12345678 - 1 }

→ 2 चक्रक्रमदार परन.

- धागेतिट धागेतिट, कङ्कधानिट धागेतिट
धागेतिट धागेतिट, कङ्कधानिट धागेतिट }
धागेतिट धागेतिट - धा - ता
धागेतिट धागेतिट - धा - ता } 3 times
धागेतिट धागेतिट - धा }

- तिग्धा दिग दिव - तिग्धो दिग दिग - थैर्ड
तत तत त-स्य थैर्ड, ता थैर्ड - कुकुथ
तिग्धा दिग दिग - तिग्धो दिग दिग }
थैर्ड - ता थैर्ड, थैर्ड - ता - थैर्ड, थैर्ड - ता थैर्ड } 3 times
तिग्धा दिग दिग - तिग्धो दिग दिग
थैर्ड - ता थैर्ड, थैर्ड - ता थैर्ड, थैर्ड - ता थैर्ड
तिग्धा दिग दिग - तिग्धो दिग दिग }
थैर्ड - ता थैर्ड, थैर्ड - ता थैर्ड, थैर्ड - ता थैर्ड }

→ । कविता

चन्द्र तपनकर , आरती बिवा की
जिजिकित , हुल हुल , गंगा छलकत
जाचत धोकर , धड़ग तिरकिट-धा
तिरकिट थुँन थुँन - ।
तिरकिट थुँन थुँन - २
तिरकिट थुन थुन - धा

→ । चक्करदार तिट्ठाई

12345678 - 123

12345678 - 123

12345678 - 123

GAP

12345678 - 123

12345678 - 123

12345678 - 123

GAP

12345678 - 123

1245678 - 123

12345678 - 123

} 3 times

क्रियात्मक

झपताल (10 मात्रा)

→ १ व्यादा आमद

ता धा - धातिट धातिट - धा

ता धा - धातिट धातिट - धा

ता धा - धातिट धातिट - धा

ता थैई थैई तत - आथैई थैई तत

ता थैई थैई तत - आ थैई थैई तत - ।

ता थैई थैई तत - आ थैई थैई तत

✓ ता थैई थैई तत - आ थैई थैई तत - २

ता थैई थैई तत - आ थैई थैई तत

ता थैई थैई तत - आ थैई थैई तत - धीं

→ १ गठ (६ मात्रा के)

धीं नो^२ धीं धीं नो,
 तत तत थैई, तत तत थैई, तत तत-तधा

→ २ तोड़े

→ त्राम थैई, त्राम थैई, थुन थुन,

ता थैई तत, तिधा दिग दिग-

त्राम थैई, त्राम थैई, थुन थुन,

ता थैई तत, तिधा दिग दिग

त्राम थैई, त्राम थैई, थुन थुन,

ता थैई तत, तिधा दिग दिग थैई ५५५५

तिधा दिग दिग - ।

तिधा दिग दिग - २

तिधा दिग दिग - धीं

ता थैर्इ आ थैर्इ...

किटक धा

ता थैर्इ आ थैर्इ...

किटक धा

ता थैर्इ आ थैर्इ...

किटक धा ss ss

किटक - किटक - 1

किटक - किटक - 2

किटक - धी किटक - धी

→ चक्रवार तोड़ा

ता थुंगा - तकका थुंगा

तिधा ता - तकका थुंगा

तिधा ता - तकका थुंगा

दिग दिग थैर्इ ता - 1

दिग दिग थैर्इ ता - 2

दिग दिग थैर्इ ता - धी

} Without pause

→ परन

ता धा - धागेन धा

ता धा - धागेन धा

ता धा - धागेन धा

(धागेन धागेन - ता गेन तागेन थुंज थुंज ना) x 2

त त त त त त - 1

थैर्इ थैर्इ थैर्इ थैर्इ थैर्इ मेर्द - 2

न न न न न न

त त त थैर्इ थैर्इ - 1

त त त थैर्इ थैर्इ - 2

त त त थैर्इ थैर्इ - धी